भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1394
11 मार्च, 2025 को उत्तर देने के लिए

फंगल संक्रमण पर अनुसंधान

1394. डा. अजित माधवराव गोपछड़ेः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) केंद्र सरकार ने फंगल संक्रमण पर अनुसंधान को प्राथमिकता देने के लिए राज्य सरकारों और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर क्या कदम उठाए हैं;

(ख) क्या सरकार को फंगल संक्रमण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की सलाह की जानकारी है, और यदि हां, तो प्रतिक्रिया स्वरूप लागू किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार को फंगल संक्रमण से संबंधित दवा प्रतिरोध के मुद्दे की जानकारी है, और इस समस्या का समाधान करने के लिए क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने सूचित किया है कि उसने फंगल संक्रमण पर अनुसंधान को प्राथमिकता देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं-

(1) आईसीएमआर ने 2020 में माइकोलॉजी नेटवर्क (माइकोनेट) की स्थापना की, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में फंगल संक्रमणों की मैपिंग करना और समग्र मृत्यु दर और रुग्णता पर इसके प्रभाव, विशेष रूप से इनवेसिव फंगल संक्रमण (आईएफआई) का आकलन करना है। माइकोनेट कार्यक्रम के तहत, भारत भर में विभिन्न क्षेत्रों को कवर करते हुए आठ (08) उन्नत माइकोलॉजी डायग्नोस्टिक और अनुसंधान केंद्र (एएमडीआरसी) विकसित किए गए हैं (https://myconet.icmr.org.in/)। ये केंद्र अपनी राज्य सरकारों और राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं, जो केस रेफरल और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान करते हैं।

(2) आईसीएमआर ने भारत में गंभीर संक्रामक सिंड्रोम पैदा करने वाले प्राथमिकता वाले रोगजनकों की पहचान की है। इसे गहन साहित्य समीक्षा के साथ-साथ देश के प्रख्यात चिकित्सकों और प्रयोगशाला चिकित्सकों के परामर्श के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है। इस विस्तृत सूची में महत्वपूर्ण फंगल रोगजनक शामिल हैं।

(3) आईसीएमआर के पास रोगाणुरोधी प्रतिरोध अनुसंधान और निगरानी नेटवर्क (एएमआरएसएन) भी है जिसके माध्यम से यह एंटीफंगल प्रतिरोध पर डेटा एकत्र करता है।

इसके अलावा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने बताया कि उसने फंगल संक्रमण, विशेषकर कैंडिडिआसिस के क्षेत्र में कई शोध परियोजनाओं को सहायता प्रदान की है।

(ख): 2022 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा पैदा करने वाले फंगल रोगजनकों की पहचान करने और उन्हें प्राथमिकता देने तथा बढ़ते एंटीफंगल प्रतिरोध से निपटने के लिए फंगल प्राथमिकता रोगजनकों की सूची प्रकाशित की। प्रतिक्रिया में, आईसीएमआर माइकोनेट ने 2023 में इनवेसिव फंगल संक्रमण के मामलों और दुर्लभ फंगल रोगों (माइसीटोमा और क्रोमोब्लास्टोमाइकोसिस) का दस्तावेजीकरण करने के लिए एक माइकोलॉजी क्लिनिकल रजिस्ट्री (https://clinicomycoregistry.icmr.org.in/) विकसित की। इसके अतिरिक्त, माइकोनेट ने एकत्र किए गए डेटा के आधार पर एक फंगल मैपिंग सिस्टम विकसित किया है और अस्पतालों और आईसीयू से फंगल रोगजनकों और उनके प्रतिरोध पैटर्न की निगरानी के लिए एंटीफंगल संवेदनशीलता परीक्षण (एएफएसटी) डेटा तैयार किया है।

(ग): आईसीएमआर ने बताया है कि माइकोनेट कार्यक्रम कैंडिडा, क्रिप्टोकोकस, न्यूमोसिस्टिस और एस्परगिलस जैसे महत्वपूर्ण फंगल रोगजनकों पर डेटा एकत्र करके एंटीफंगल ड्रग प्रतिरोध की सक्रिय रूप से निगरानी करता है। वर्तमान निष्कर्षों के अनुसार, आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली एंटीफंगल दवाओं के लिए फंगल प्रतिरोध ज्यादातर मामलों में कम रहता है। इसके अतिरिक्त, आईसीएमआर एंटी-माइक्रोबियल प्रतिरोध निगरानी नेटवर्क भारत भर के 30 तृतीयक अस्पतालों से मानव स्वास्थ्य तक सीमित चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण बैक्टीरिया और कवक के एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध के रुझानों और पैटर्न पर डेटा एकत्र करता है और उसकी निगरानी करता है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र (एनसीडीसी) ने बताया है कि फंगल रोगजनकों में रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) की निगरानी को राष्ट्रीय एएमआर निगरानी नेटवर्क (एनएआरएस-नेट) में शामिल किया गया है।

*****